>

Title: The Minister of Home Affairs made a statement regarding two bomb blasts in Hyderabad, Andhra Pradesh.
MR. DEPUTY-SPEAKER: The hon. Home Minister will now make a Statement.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SUSHILKUMAR SHINDE): Mr. Deputy Speaker Sir, on 21.02.2013 twin blasts took place in a busy locality of Dilsukhnagar area of Hyderabad City at a local bus stop and a Canteen, which were about 150 meters from each other, at 6.58 p.m. and 7.01 p.m. respectively. Preliminary investigations reveal that the lEDs (improvised explosive devices) were placed on Bicycles causing explosions at both the places. A total of 16 persons died and 117 were injured out of which four are critically injured. The State Government immediately deployed emergency medical response team along with 25 ambulances to take the injured to hospital. The State Police and a team of NIA from the National Investigation Agency Branch office at Hyderabad immediately reached the place of occurrence and cordoned off the area and collected the evidence. The State forensic teams were also pressed into service to collect the evidence from the crime scene. A team of NIA led by IG and Post Blast Investigative team (PBIT) of NSG were sent to Hyderabad from Delhi at 9.30 p.m. yesterday by a special plane and reached Hyderabad at 11.30 p.m. yesterday only. Two cases have been registered vide CR No. 146/2013 of Saroor Nagar, Police Station, Cyberabad and CR No. 56/2013 of Malkpet Police Station, Hyderabad City. The NIA will investigate the case in conjunction with Andhra Pradesh Police.

Today, early morning I along with Home Secretary and DG, NIA went to Hyderabad and reviewed the situation with Governor, Chief Minister, Chief Secretary, DGP, Commissioner of Police and other senior officers. I visited the scene of occurrence and thereafter I visited the injured in Hospital.

The hon. Prime Minister of India has announced ex-gratia of Rs.2 Lakh for the deceased and Rs. 50,000 to the injured. The State Government has also announced ex-gratia of Rs. 6 Lakh to deceased and Rs. 50,000 to Rs. 1 lakh for injured besides bearing all the expenses for the treatment of the injured. The situation is under control.

I extend my heartfelt condolences for the bereaved families who have lost their near and dear ones in the blasts. The Government is committed to combat such cowardly terror attack and it shall make all possible efforts to apprehend the perpetrators and masterminds behind the blasts and ensure that they are punished as per the law.

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): उपाध्यक्ष जी, अभी-अभी जो वक्तव्य सदन में गृह मंत्री जी ने रखा है, हम लोग सुबह से इसकी प्रतीक्षा कर रहे थे और संसदीय कार्य मंत्री जी ने कहा था कि दो बजे जब सदन भोजनावकाश के बाद मिलेगा, तो वे एक वक्तव्य सदन में रखेंगे। लेकिन गृह मंत्री जी, यह बहुत ही रूटीन में दिया गया वक्तव्य है। पहले पैराग्राफ में बता दीजिए क्या-क्या हुआ, बाद में जो एक्स-ग्रेशिया एनाउंस किया, वह बता दो और अंत में कह दो कि हमारी तो कमिटमैंट है, हमारी तो टैरर से लड़ने की प्रतिबद्धता है। लेकिन आज सुबह भी आपकी अनुपस्थिति में बोलते हुए मैंने एक ही बात पर जोर दिया था कि यह समय दोषारोपण करने का नहीं है, एकजुट होकर, दृढ़ संकल्पित होकर आतंक का सामना करने का है। लेकिन वह सामना तभी किया जा सकता है जब हमारी और आपकी सोच में समानता हो। दुख इस बात का है कि हमारी सोच समान नहीं है।

हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह जी, जो इस सदन के सम्मानित सदस्य भी हैं, वे मौके पर गए हैं। वे आज सुबह ही हैदराबाद गए हैं और मेरे दूसरे सहयोगी श्री शाहनवाज हुसैन उनके साथ गए हैं। मैंने उनसे अभी सम्पर्क साधा था। मैं चाहती थी कि आपके वक्तव्य से पहले उनसे बात हो जाए और वहां स्पॉट पर उन्होंने क्या देखा, उसकी जानकारी मुझे मिल जाए तो मैं शायद वहां की परिस्थिति को सामने रखकर बोल सकती थी। सम्पर्क तो हुआ, लेकिन वे स्पॉट पर पहुंचे ही थे। अभी तक वहां की स्थिति का जायजा नहीं ले पाए थे। इसलिए मैं वहां की परिस्थिति को सामने रखकर नहीं बोल पाऊंगी। जो आपने कहा है, उसे असत्य नहीं मान रही हूं। हमारा आपसे प्रश्न था। सुबह सभी लोग आपकी अनुपस्थिति में बोले थे। हमारा पहला प्रश्न यह था कि आपने कल घटना घटते ही यह बात कही कि हमने राज्य सरकार को जानकारी दे दी थी। यह घटना जिस घटना के बाद घटी है, उसमें आप जानकारी न भी देते तो सभी राज्य सरकारें इस बात में अलर्ट होनी चाहिए थीं कि ऐसी कोई घटना घट सकती है, क्योंकि नौ वर्ष बाद आपने अफजल गुरू को फांसी पर लटकाया था। नौ वर्ष बाद आपके इस निर्णय की कोई न कोई प्रतिक्रिया खास तौर पर उन इलाकों में हो सकती थी जिन इलाकों को हम सैंसिटिव कहते हैं, अंग्रेजी में वलनरेबल कहते हैं। इसलिए आज जानकारी न भी देते, तो भी कम से कम आंध्र प्रदेश, हैदराबाद में यह अलर्ट होना ही चाहिए था। लेकिन आपकी जानकारी के बाद वह और भी पुख्ता हो गया। मैं पूछना चाहती हूं कि क्या केन्द्र सरकार की जिम्मेदारी महज राज्य सरकार को जानकारी देना है या उसे रोकने में मदद करना भी है? अगर रोकने में मदद करना भी है, तो आपने रोकने के लिए क्या किया? महज यह कहकर कि हमने जानकारी दे दी थी, आपका कर्तव्य पूरा हो गया और आपने राज्य सरकार के भरोसे छोड़ दिया। आतंकवाद साधारण कानून-व्यवस्था का मसला नहीं होता जो केवल राज्य सरकारें अपने स्तर पर कर सकती हैं, क्योंकि उसका नेटवर्क बहुत बड़ा होता है, बहुत राज्यों के बीच फैला हुआ होता है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया आप संक्षेप में बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : इसमें संक्षेप क्या है। ...(व्यवधान) उपाध्यक्ष जी, 14 लोग मर गए हैं, 109 घायल हैं।...(व्यवधान) यदि मैं एक भी बात अप्रासंगिक कह रही हूं, विषय से हटकर कह रही हूं या बहुत लम्बा हो गया हो बोलते हुए, तो आप इंटरवीन करें और कहें कि संक्षेप में बोलिए। उन्होंने जो वक्तव्य रखा है, उस पर मुझे कुछ पूछने का अधिकार है या नहीं? पूरा देश जानना चाह रहा है। गृह मंत्री जी, मैं आपसे यह बात इसलिए कह रही हूं क्योंकि जो आपने जानकारी दी, उस जानकारी में केवल हैदराबाद नहीं है, उसमें आपने हैदराबाद के साथ बंगलुरू भी जोड़ा है और मुम्बई भी जोड़ा है। यह प्रश्न मैं इसलिए पूछ रही हूं कि यह जो जानकारी दी गई

कि हैदराबाद में ऐसी घटना हो सकती है, बंगलुरू में घटना हो सकती है, मुम्बई में घटना हो सकती है। हैदराबाद में तो घट गई। क्या घटने के बाद भी हम चेते हैं? इसके बाद भी बंगलुरु में ऐसी घटना की पुनरावृति न हो, मुम्बई में न हो, क्या इसके लिए कोई उपाय किया हैं? अगर किया है, तो क्या किया हैं? क्या हम आश्वस्त हो सकते हैं कि इस घटना के घटने के बाद बंगलुरु और मुम्बई में ऐसी घटनाएं नहीं घटेंगी?

मैं दूसरी बात कहना चाहती हूं। हैदराबाद में ही एक बहुत गंभीर घटना घटी थी। इसी सदन के सम्मानित सदस्य ने हैदराबाद में एक ऐसा भड़काऊ भाषण दिया था। उनके भाई ने दिया था। यह कहा था कि अगर कुछ समय के लिए पुलिस हटा दी जाये, तो हम 25 मिनट में सबका काम तमाम कर सकते हैं। ...(व्यवधान) क्या इस हैदराबाद के बम विस्फोट का उस भड़काऊ भाषण से किसी तरह का कोई संबंध हैं? इसलिए ये कुछ प्रश्न हैं, जो उपस्थित हो रहे हैं।

तीसरी बात आपने एक्स ग्रेशिया की कही है। यहां एक माननीय सदस्य ने आपके पीछे से बहुत अच्छी बात कही थी कि कहीं हम दो लाख रुपये दे देते हैं और कहीं दस लाख रुपये दे देते हैं। क्या हम तय कर सकते हैं कि इस तरह की घटनाओं में कोई एक सी राशि तय हो जाये कि वही राशि सबको दी जायेगी। क्योंकि इसमें बहुत हार्ट बर्निंग होती है और जहां कम मिलता है वहां लोग उदाहरण देकर कहते हैं कि फलां जगह तो दस लाख रुपया मिला और हमें केवल पांच लाख रुपये मिल रहे हैं या केवल दो लाख रुपये मिल रहे हैं। क्या इस संसद से ऐसा कोई स्वर निकल सकता है कि हम राशि तय कर दें कि इस तरह की घटना में इतनी ही राशि दी जायेगी। लेकिन आपका जो आखिरी वाक्य है कि हम कमिटेड है। इस प्रतिबद्धता का आप कोई प्रदर्शन तो कीजिए। यह प्रतिबद्धता आपकी है। इस प्रतिबद्धता के लिए कुछ तो बताइये। आप कहेंगे कि आपने फांसी दे दी, तो नौ वर्ष के बाद आपने फांसी दी है। बार-बार सुप्रीम कोर्ट ने अपनी बात को पुष्ट किया, पुख्ता किया और वहां भी एक तरह की वोट बैंक की राजनीति के चलते आपने रोक रखा था और दूसरी वोट बैंक की राजनीति के चलते फांसी देने का निर्णय किया है। वर्ना नौ वर्ष के अंतराल का औचित्य क्या है, यह भी हम आपसे जानना चाहेंगे? जो बात मैंने आपके पीछे से कही थी कि सोच में समानता नहीं है, वह मैंने इसलिए कही थी कि कभी तो हम मज़हब के आधार पर आतंकवाद को बांटकर आपस में बंट जाते हैं और कभी हम आतंकवादियों के मानवाधिकारों की पैरवी करते हुए उन पर नरमी बरतने की वकालत करते हैं। आखिरकार यह सोच जब तक समान नहीं होगी, तब तक आपकी यह कमिटमैंट पूरी नहीं हो सकती, क्योंकि यह कमिटमैंट केवल आपकी नहीं है। यह कमिटमैंट देश हम सबसे चाहता है। हमसे भी चाहता है, आपसे भी चाहता है, इधर के लोगों से भी चाहता है और उधर के लोगों से भी चाहता है। इसलिए यह एक ऐसा समय है जब इस तरह की घटनाएं होती हैं, यह वे पड़ाव हैं जब हम उस संकल्प को दोहराएं, अपनी सोच में समानता लायें और एक समान सोच से भारत निश्चित तौर पर आतंकवाद का सामना कर सकता है। मैं कहना चाहूंगी कि इस प्रतिबद्धता के साथ सोच की समानता भी बनाइये, तभी और तभी यह प्रतिबद्धता पूरी हो सकती है। ..(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): उपाध्यक्ष महोदय, नेता जी को भी दो मिनट बोलने का मौका दीजिए। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप सब बैठ जाइये, क्योंकि हमें भी बोलना है।

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Under Rule 372 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha after a Statement has been made by a Minister on a matter of public importance, no question shall be asked. By convention, no discussion is held immediately after the Statement is made.

...(*Interruptions*)

श्री शैलेन्द्र कुमार : उपाध्यक्ष महोदय, यह गलत है। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : रूल में एलाउड नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

श्री नामा नागेश्वर राव (खम्माम): उपाध्यक्ष महोदय, यह बहुत महत्वपूर्ण इश्यू है, इसलिए आप सबको दो-दो मिनट बोलने का मौका दीजिए। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मंत्री जी कुछ बोलना चाहते हैं। आप उन्हें बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मंत्री जी खड़े हैं, आप उन्हें बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया आप सब बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

14.33hrs

At this stage Shri Shailendra kumar came and stood on the floor near the Table.

â€¦(व्यवधान)

शहरी विकास मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री कमल नाथ): उपाध्यक्ष महोदय, अभी प्रतिपक्ष की नेता ने जो बात कही है, वह बहुत महत्वपूर्ण है। जो घटना हुई है, वह बहुत गंभीर और दुखदायी है। इसमें कोई शक नहीं है। पूरा सदन इससे जुड़ा हुआ है। ...(व्यवधान)

14.34hrs

At this stage Shri Nama Nageshwar Rao and some other Hon. Members came and stood on the floor near the Table

â€¦(व्यवधान)

श्री कमल नाथ : इस पर चर्चा आवश्यक होनी चाहिए और नियम के तौर पर जैसे सदन तय करेगा, हम चर्चा करने के लिए तैयार हैं। ...(व्यवधान) अभी माननीय गृह मंत्री जी को राज्य सभा में बयान देना है। ...(व्यवधान) इसीलिए आप समय फिक्स कर लीजिए या बीएसी समय फिक्स कर ले और चर्चा केवल इस बात पर ही नहीं, बल्कि अन्य जो मुद्दे प्रतिपक्ष की नेता ने उठाये हैं, उन पर चर्चा हो जायेगी। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप लोग नोटिस दीजिए, डिसकशन करा देंगे।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मंत्री जी को राज्य सभा में स्टेटमेंट देना है, इसलिए वहां जा रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मंत्री जी यहां सदन में अभी नहीं रहेंगे, क्योंकि उनको राज्य सभा में भी स्टेटमेंट देना है।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप लोग लिखकर दे दीजिए, फिर उस पर डिसकशन करने के लिए हम लोग बात करते हैं।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मान लिया है, हमने बोल दिया है।

â€¦(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 3.30 p.m.

14.36 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Thirty Minutes past

Fifteen of the Clock.

15.37 hrs

The Lok Sabha re-assembled at Thirty-Seven Minutes past Fifteen of the Clock.

(Shri Francisco Cosme Sardinha *in the Chair*)

MR. CHAIRMAN: The House will now take up Item No.8. Shrimati Priya Dutt – not present

Item No. 9 – Shrimati Priya Dutt – not present

Item No.10 – Shrimati Priya Dutt – not present

Item No.11 – Shri Basu Deb Acharia